

चंचल मन से शाश्वत शांति

गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर

मन की चंचलता, भक्ति की खोज है। भक्ति ही मन और चेतना में स्थिरता ला सकती है। भक्ति प्रेम-स्वरूप है। प्रेम को हम जानते हैं, किंतु भक्ति को खोजते हैं। प्रेम की पराकाष्ठा ही भक्ति है, और वह भक्ति कार्य में नहीं, अपितु विश्राम में उपलब्ध होती है। लोक, वेद और व्यापार - सभी प्रकार के कर्मों से विश्राम करें। प्रायः ऐसा होता है कि हम सांसारिक कार्यों को छोड़कर कर्मकांड में उलझ जाते हैं। कर्मकांड करते समय भी मन उसमें नहीं लगता; हम केवल यह सोचते रहते हैं कि यह कब समाप्त होगा। भय या लालसा के कारण पूजा-पाठ करना भक्ति नहीं है। ऐसे कर्मकांड से व्यक्ति थक जाता है और तथाकथित धार्मिक लोगों के चेहरे पर उत्साह के स्थान पर उदासी दिखाई देती है। ईश्वर आनंद-स्वरूप हैं, सच्चिदानंद हैं। यदि हम उनसे जुड़े हैं, तो हमारे भीतर भी आनंद का प्रकाश होना चाहिए। तथाकथित धार्मिक लोग, धर्म के नाम पर उदासी को धारण कर लेते हैं। यह एक भ्रांति है और इसे दूर किया जाना आवश्यक है। भक्ति का अर्थ है विश्राम। भक्त वही है, जो यह नहीं सोचता कि कल क्या होगा? जब मालिक अपना है, तो भविष्य की चिंता कैसी? भक्ति में अनन्यता का भाव होना चाहिए। जहाँ मैं और वह का भेद है, वहाँ प्रेम पूर्ण नहीं हो सकता। प्रेम का अर्थ है, भेद का लय। जैसे अपने बच्चे के प्रति हम स्वयं को अलग नहीं मानते, वैसे ही जब ईश्वर के साथ एकात्मता होती है, तब प्रेम साकार होता है। मन वहीं स्थिर होता है, जहाँ प्रेम होता है। जिस वस्तु या व्यक्ति को हम पसंद करते हैं, उसमें मन सहज ही लग जाता है। किंतु जब हम स्वयं से प्रेम नहीं करते, तब मन भटकता रहता है। आत्म-स्वीकार और समर्पण से ही अनन्यता आती है। जो कुछ प्रेम के विरोध में हो, उसके प्रति उदासीन रहें। भक्ति में अनावश्यक नियम नहीं, अपितु सहजता है; किंतु इसका अर्थ यह नहीं कि मनमानी की जाए। समाज के नियमों का सम्मान आवश्यक है। अन्य सभी सहारों का त्याग करें। जब एक ही आश्रय होता है, तब प्रेम की गहराई में उतरना संभव होता है। यदि हम ईश्वर को अपने कार्यों के लिए साधन बना लें, तो यह भक्ति नहीं, बल्कि स्वार्थ है। भक्ति में सर्वोत्तम समय और समर्पण देना चाहिए। यदि हम शेष बचा हुआ समय ही ईश्वर को दें, तो उसी के अनुरूप फल भी प्राप्त होगा। अंततः, प्रेम ही हमारी आत्मा है। प्रेम कोई भावुकता नहीं, बल्कि अस्तित्व का मूल स्वभाव है। प्रेम में एकता का अनुभव होता है और यही एकता हमें परम सत्य के निकट ले जाती है। प्रेम के मार्ग पर चलने के लिए आवश्यक है - संतुलन, नियम और सजगता। आहार, व्यवहार और विचार - सभी में संतुलन रखते हुए, हम प्रेम की गहराई में उतर सकते हैं।

ब्रह्मोस से बढ़ेगी भारत की सैन्य ताकत

नयी दिल्ली (एजेंसी)।-ब्रह्मोस अब सिर्फ एक मिसाइल नहीं है। यह आत्मविश्वास से भरे और आत्मनिर्भर नए भारत की ताकत, सटीक निशाना लगाने की क्षमता और गर्व का प्रतीक है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों ने पहली बार असली जंग में इस हथियार प्रणाली का इस्तेमाल किया। इसने कई अहम ठिकानों को निशाना बनाया। इनमें पाकिस्तान के नूर खान जैसे प्रमुख एयरबेस भी शामिल थे। इसके जरिये भारतीय सशस्त्र बलों ने इस हथियार प्रणाली की ताकत दिखाई।

ब्रह्मोस प्रणाली भारत के रक्षा निर्यात की भी एक प्रमुख आधारशिला है। भारत का रक्षा निर्यात बढ़कर 38,400 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। इसमें सालाना 62.7 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। ब्रह्मोस एयरोस्पेस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक (एमडी) डॉ. जयतीर्थ जोशी ने ब्रह्मोस की सफलता पर बात की। उन्होंने कहा कि निर्यात के क्षेत्र में ब्रह्मोस की सफलता की कहानी 2025 में युद्ध में इस्तेमाल होने से पहले ही शुरू हो गई थी। वर्ष 2022 में कंपनी को पहला ऐतिहासिक निर्यात ऑर्डर मिला था। कई मिलियन डॉलर के इस सौदे ने वैश्विक स्तर पर भारत की रक्षा निर्यात से जुड़ी महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ाया। आज ब्रह्मोस भारत की सैन्य निर्यात रणनीति में सबसे आगे है। यह एक प्रमुख उत्पाद है। सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ने धीरे-धीरे अपने निर्यात का दायरा बढ़ाया है। मई 2025 में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अपनी बेहतरीन क्षमताएं साबित करने और युद्ध में परखी हुई प्रणाली बनने के बाद इसका निर्यात दायरा खास तौर पर बढ़ा है। डॉ. जयतीर्थ जोशी ने कहा कि फिलीपींस के साथ पहले निर्यात सौदे के बाद इस साल दक्षिण-पूर्व एशिया के दो और देशों के साथ समझौते किए गए हैं। आज ब्रह्मोस अंतरराष्ट्रीय बाजार में मजबूत स्थिति में है। कंपनी भविष्य में अपने निर्यात की पहुंच को और बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि बढ़ती मांग को पूरा करने और जरूरत पड़ने पर उत्पादन क्षमता तेजी से बढ़ाने के लिए ब्रह्मोस अपनी आपूर्ति श्रृंखला को और मजबूत कर रही है। जोशी ने कहा, निकट भविष्य और लंबी अवधि की हमारी प्राथमिकता अब तक सशस्त्र बलों से मिले सभी ऑर्डर पूरे करना है। हैदराबाद, नागपुर, पिलानी और सबसे नई लखनऊ इकाई में हमारी सभी उत्पादन इकाइयां इस दिशा में पूरी गति से काम कर रही हैं। उन्होंने कहा, हम अगली पीढ़ी की ब्रह्मोस के विकास और परीक्षण के लिए जरूरी विशेष तकनीकों पर काम करने के वास्ते टेक-ब्रिक्स स्थापित करके अपने अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) कार्य में भी तेजी लाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, बढ़ती मांग को पूरा करने और किसी भी अप्रत्याशित स्थिति में उत्पादन क्षमता तेजी से बढ़ाने के लिए आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत किया जा रहा है। पहले प्रत्येक प्रणाली या उसके उप-तंत्र के लिए हमारे पास एक या दो औद्योगिक भागीदार होते थे।

2028 तक आयेगी नयी पीढ़ी की मिसाइल

रश्मिका मंदाना को 'बिकिनी' से परहेज



मुंबई (एजेंसी)। करण जौहर के शो कॉफी विद करण 9 में रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा ने शिरकत की, जहां दोनों ने अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ को लेकर खुलकर बात की। इसी दौरान विजय ने कहा कि कलाकारों को ऐसे सीन या कपड़े पहनने से मना करने की आजादी होनी चाहिए, जिसमें वह कम्फर्टेबल महसूस नहीं करते। बातचीत के दौरान विजय ने उस दवाब के बारे में खुलकर बात की जो कलाकारों को ऐसे समय पर झेलना पड़ता है, जब वह किसी सीन को करने में असहज हों और फिल्म पहले ही साइन कर चुके होते हैं। इसी दौरान रश्मिका मंदाना ने भी विजय की बात का समर्थन किया और कहा कि कलाकारों को अपनी असहजता जाहिर करने की आजादी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री में ऐसा माहौल होना चाहिए कि किसी कलाकार को अपनी असहजता जाहिर करते समय इस बात की चिंता न सताए कि निर्देशक या सेट पर मौजूद अन्य लोग इस पर कैसी प्रतिक्रिया देंगे। रश्मिका कहती हैं कि कमर्शियल फिल्मों में अक्सर कलाकारों को ऐसे कपड़े पहनने पड़ते हैं, जिन्हें वह सामान्य तौर पर नहीं चुनेंगे, लेकिन फिर भी उन्हें अपनी लिमिट्स तय करने की छूट मिलनी चाहिए। रश्मिका ने माना कि उन्हें खुद बहुत ज्यादा स्किन शो करने में सहज महसूस नहीं होता, भले ही किसी कैरेक्टर की डिमांड ऐसे कपड़े पहनने की ही क्यों न हो। रश्मिका कहती हैं कई ऐसी चीजें हैं, जिन्हें करने में मुझे समस्या है। मैं ये बात अच्छे से समझती हूं कि कुछ किरदारों के लिए बिकिनी या रिवीलिंग कपड़े पहनने की जरूरत होती है। लेकिन, फिर भी मैं ये बात कहना चाहती हूं कि मुझे स्किन शो करने में सहज महसूस नहीं होता।

मार्को रुबियो के भारत दौरे के 5 बड़े सिग्नल

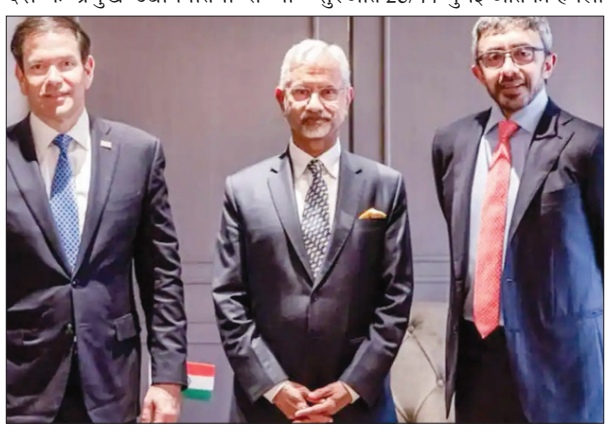
वेनेजुएला का तेल, रूस से रिश्ते और ट्रेड डील पर फोकस

नयी दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो का दो दिवसीय भारत दौरा कई अहम संकेत देकर खत्म हुआ. इस यात्रा में रुबियो ने पारंपरिक कूटनीतिक प्रोटोकॉल से अलग नयी दिल्ली के बजाय मुंबई को केंद्र में रखा और रिलायंस इंडस्ट्रीज की जामनगर रिफाइनरी का दौरा किया. उनकी यात्रा ऐसे समय हुई, जब भारत और अमेरिका लंबे समय से लंबित व्यापार समझौते के करीब पहुंचने की बात कह रहे हैं.

दिल्ली के बजाय मुंबई को चुना ऊर्जा और कारोबार पर रहा जोर

दौरे से ऊर्जा सहयोग, वेनेजुएला के कच्चे तेल, रूस से भारत के तेल आयात, अमेरिका में भारतीयों के खिलाफ बढ़ती नफरत और व्यापार समझौते को लेकर वॉशिंगटन की प्राथमिकताओं के संकेत मिले.

रुबियो ने मुंबई में विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात की और देश के प्रमुख उद्योगपतियों से भी



बातचीत की. इसके बाद जामनगर में रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी के साथ रिफाइनरी और कंपनी की नई ऊर्जा परियोजनाओं को लेकर चर्चा हुई. उनके दौरे के बड़े निष्कर्षों को पांच प्रमुख बिंदुओं में समझा जा सकता है. मार्को रुबियो मंगलवार को मुंबई पहुंचे थे. उन्होंने अपने दौरे की शुरुआत 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के पीड़ितों के स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करके की. उन हमलों में छह अमेरिकी नागरिकों की भी मौत हुई थी. इसके बाद उन्होंने भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ बैठक की. इस बातचीत में व्यापार, ऊर्जा, रक्षा, तकनीक और दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने जैसे मुद्दों पर मुख्य रूप से चर्चा हुई.

बुधवार को रुबियो ने भारत के बड़े कारोबारी समूहों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की. उन्होंने टाटा समूह के प्रमुख एन. चंद्रशेखरन और अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी से बातचीत की.

इसके बाद वह जामनगर पहुंचे, जहां रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने उन्हें कंपनी की रिफाइनरी का दौरा कराया. रिलायंस के मुताबिक, चर्चा का केंद्र जामनगर स्थित विशाल रिफाइनरी परिसर, आने वाली नई ऊर्जा क्षेत्र की विशाल फैक्ट्रियां और डेटा सेंटर थे. रुबियो का दिल्ली के बजाय मुंबई जाना कूटनीतिक लिहाज से खास रहा. आमतौर पर भारत आने वाले विदेशी नेताओं और वरिष्ठ अधिकारियों के कार्यक्रम में नई दिल्ली प्रमुख पड़ाव होती है.

कोलकाता भगदड़ की एसआईटी प्रमुख बोलीं- कोई आरोपी नहीं बचेगा

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता में दुर्गा पूजा के दौरान हुई भगदड़ की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) की प्रमुख, सेवानिवृत्त जस्टिस अनिंदिता रॉय सरस्वती ने गुरुवार को कहा कि रिपोर्ट सौंपने के लिए तीन महीने का समय बहुत कम है, लेकिन टीम तय समय-सीमा के भीतर काम पूरा करने की पूरी कोशिश करेगी।

उत्तरी कोलकाता के चोरबागन दुर्गा पूजा पंडाल में 17 अक्टूबर को हुई भगदड़ में 19 लोगों की मौत हो गई थी। वहीं, 25 लोग घायल हो गए थे। इस घटना के कारणों की जांच करने और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के उपाय सुझाने के लिए, कलकत्ता उच्च न्यायालय के परामर्श से छह सदस्यीय विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन किया गया है। सेवानिवृत्त जज ने एक स्थानीय समाचार चैनल को बताया, %एसआईटी के सदस्य जल्द ही बैठक करेंगे और जांच के लिए एक रूपरेखा (रोडमैप) तैयार करेंगे। हम घटना स्थल का दौरा करेंगे ताकि यह पता लगाया जा सके कि घटना किस वजह से हुई। राज्य सरकार की ओर से रिपोर्ट सौंपने के लिए तय की गई तीन महीने की समय-सीमा के बारे में उन्होंने कहा, %यह बहुत कम समय है, लेकिन हम समय-सीमा के भीतर काम पूरा करने की पूरी कोशिश करेंगे।

सरकार के अनुसार, एसआईटी भगदड़ से जुड़ी घटनाओं के क्रम की जांच करेगी। इसमें वे परिस्थितियां भी शामिल हैं जिनकी वजह से अचानक भीड़ बढ़ी। वहां कितने लोग मौजूद थे, और क्या वहां लोगों की संख्या तय सुरक्षित क्षमता से अधिक हो गई थी। टीम सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल फोन क्लिप, फोरेंसिक जांच के नतीजे, कॉल रिकॉर्ड, पुलिस स्टेशन और कंट्रोल रूम के लॉग, मेडिकल रिकॉर्ड और घटना से जुड़े अन्य सबूतों की बारीकी से जांच करेगी।एसआईटी आयोजकों, पुलिस, निजी सुरक्षा कर्मियों, स्वयंसेवकों, एम्बुलेंस सेवाओं, अस्पतालों, दमकल विभाग और नागरिक प्रशासन की तैयारियों और उनकी प्रतिक्रिया की भी जांच करेगी।

दाऊद की डी-कंपनी को भारत का बताये जाने पर यूएन को लताड़ा

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। भारत ने संयुक्त राष्ट्र के स्पेशल रैपोर्टियर के गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम की डी-कंपनी को भारत-आधारित आपराधिक समूह बताए जाने पर लताड़ा। भारत ने यूएन के इस बयान को कड़े शब्दों में खारिज कर दिया है। भारत ने यूएन के द्वारा प्रस्तुत की गई रिपोर्ट को लेकर कहा कि ऐसी बड़ी गलतियां ना करें। इसके साथ ही भारत ने चेतावनी दी है कि इस तरह की अक्षमता से संयुक्त राष्ट्र जैसी वैश्विक संस्था को भारी नुकसान पहुंचता है।

रघु पुरी ने कहा-ऐसी गलती ना करें

भारत ने कहा कि दाऊद इब्राहिम भारत में एक वांछित अपराधी है और संयुक्त राष्ट्र की सूची के अनुसार, वह उसी देश में रहता है जहां अल-कायदा नेता ओसामा बिन लादेन मिला था और मारा गया था। बता दें कि, ओसामा बिन लादेन 2011 में पाकिस्तान के एबटाबाद शहर में अमेरिकी नेवी सील्स की एक छापेमारी में मारा गया था। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन के प्रथम सचिव, रघु पुरी ने बुधवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा की तीसरी समिति में इस दावे का कड़ा खंडन किया। उन्होंने बताया कि सॉल की रिपोर्ट में कहा गया है कि साल 2003 में, सुरक्षा परिषद ने एक



आपराधिक समूह भारत-आधारित डी-कंपनी के सरगना को अल-कायदा से जुड़े होने के कारण लिस्ट किया था।

अगर इस एक लाइन को अलग से पढ़ा जाए, तो यह असल सच्चाई से बिल्कुल अलग तस्वीर पेश करती है। दाऊद इब्राहिम की डी-कंपनी को %भारत-आधारित बताए जाने को सिरे से खारिज करते हुए पुरी ने कहा कि यह आपराधिक संगठन और इसका सरगना दाऊद इब्राहिम, 1993 से ही भारत में आतंकी हमलों के मामलों में वांछित था। मेरा प्रतिनिधिमंडल अन्य मंचों पर भी इस बात को लेकर अपनी गंभीर चिंता जताता रहा है कि विशेष प्रतिवेदक (स्क्र) तथ्यात्मक रूप से गलत रिपोर्ट जारी करते हैं, और इसके लिए उन्हें कभी जवाबदेह नहीं ठहराया जाता। मैं मेरे देश से जुड़ी कुछ बहुत बड़ी गलतियों की ओर ध्यान दिलाना चाहूंगा। पुरी ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अल-कायदा प्रतिबंध व्यवस्था का जिक्र करते हुए कहा, 1267 प्रतिबंध व्यवस्था के तहत सूचीबद्ध करने के कारणों के विवरण में यह बात स्पष्ट रूप से लिखी गई है। इस तथ्य का जिक्र न करना अफसोसजनक है, और विशेष जनादेश धारकों की ऐसी अक्षमता इस संगठन को भारी नुकसान पहुंचाती है। मैं रिकॉर्ड के लिए इसे स्पष्ट कर दूं। यह व्यक्ति 2003 में सूची में शामिल किए जाने से बहुत पहले ही भारत से भाग गया था, और इसी दौरान, देश के बाहर रहते हुए, उसे अल-कायदा और ओसामा बिन लादेन से जुड़े होने के कारण सूची में शामिल किया गया था।

मैं कोई ट्रैवल एजेंट नहीं हूं : शशि थरूर

राहुल गांधी की विदेश यात्रा को लेकर भाजपा के आरोप का दिया जवाब

नयी दिल्ली (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ चल रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच, विपक्ष के नेता राहुल गांधी की विदेश यात्रा को लेकर पूछे गए एक सवाल पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने पत्रकारों को तीखा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि वह कोई ट्रैवल एजेंट नहीं हैं। शशि थरूर उस समय केरल में थे, जब पत्रकारों ने उनसे पूछा कि राहुल गांधी विदेश क्यों गए हैं। इस पर कोई भी टिप्पणी करने से इनकार करते हुए थरूर ने कहा, मैं कोई ट्रैवल एजेंट नहीं हूं। मुझसे यह सवाल पूछने का कोई मतलब नहीं है कि मैं दिल्ली छोड़कर यहां क्यों आया हूं? हर व्यक्ति की अपनी कुछ जिम्मेदारियां होती हैं। इसलिए, मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं कर सकता। राहुल गांधी देश में विपक्ष के चल रहे विरोध-प्रदर्शनों के बीच चार दिन की वियतनाम यात्रा पर चले गए हैं, जिसकी भाजपा ने कड़ी आलोचना की है। हालांकि भाजपा ने पहले भी उनके विदेश दौरों पर सवाल उठाए हैं और राजनीतिक टकराव के दौरान इनका इस्तेमाल किया है। भाजपा ने आरोप लगाया, दिल्ली में विरोध-प्रदर्शनों के दौरान झूठ बोल-बोलकर थक जाने के बाद गांधी छुट्टी मनाने चले गए। पार्टी ने ङ्क पर एक वीडियो भी शेयर किया है, जिसमें कथित तौर पर गांधी वियतनाम जाने वाली एक फ्लाइट में



बैठे दिख रहे हैं। पार्टी ने सवाल किया, राहुल गांधी के विदेश दौरों का एजेंडा क्या है? बीजेपी नेता संबित पात्रा ने गांधी पर सत्ता परिवर्तन की साजिश रचने का आरोप लगाया और दावा किया कि वे जॉर्ज सोरोस से क्लास लेने विदेश गए थे। उन्होंने कहा, उनके आका, उनके सरगना राहुल गांधी विदेश गए थे ताकि जॉर्ज सोरोस और उनकी कंपनी से यह सीख सकें कि भारत को कैसे बर्बाद किया जाए, सत्ता परिवर्तन कैसे लाया जाए, और उनसे कहाँ चूक हुई... उन्होंने हर मुमकिन कोशिश की, लेकिन भारत की जनता ने उनका साथ नहीं दिया। अब उनका पूरा ध्यान इस बात पर है कि आगे क्या करना है और इस एजेंडे को कैसे आगे बढ़ाना है, ताकि भारत बर्बादी की कगार पर पहुँच जाए और यहाँ सत्ता परिवर्तन हो सके।

हम सऊदी सरकार के साथ खड़े : भारत

नयी दिल्ली (एजेंसी)। सऊदी अरब के दम्माम हवाई अड्डे और शायबाह तेल क्षेत्र पर हुए हमले की भारत ने निंदा की है. दम्माम में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई. वहीं शायबाह में एक भारतीय घायल हो गया. विदेश मंत्रालय ने कहा कि हम एक बार फिर दोहराते हैं कि आम नागरिकों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर हमले पूरी तरह से अस्वीकार्य हैं और इन्हें तुरंत रोका जाना चाहिए. एमईए ने कहा, हम सऊदी अरब में आम नागरिकों और ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर लगातार हो रहे हमलों की कड़ी निंदा करते हैं.

इनमें 21 अक्टूबर को दम्माम स्थित किंग फहद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और पूर्वी प्रांत में सऊदी अरामको के शायबाह तेल क्षेत्र पर हुए हमले भी शामिल हैं. दुर्भाग्य से, इन हमलों में आम नागरिकों की जान गई है और कई लोग घायल हुए हैं.

विदेश मंत्रालय ने कहा, हम सऊदी अरब के लोगों और वहां की सरकार के साथ खड़े हैं, ताकि वे अपनी संप्रभुता की रक्षा कर सकें. हमें उम्मीद है कि इस क्षेत्र में जल्द से जल्द शांति और सामान्य स्थिति बहाल हो जाएगी. उन्होंने कहा, दम्माम हवाई अड्डे पर हुए हमले में दुर्भाग्य से एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए, जबकि शायबाह तेल क्षेत्र पर हुए हमले में एक और भारतीय नागरिक घायल हुआ है. हम पीड़ित परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं. रियाद में भारतीय दूतावास सऊदी अधिकारियों के संपर्क में है और हर संभव सहायता प्रदान करेगा. सऊदी अरब के जनरल अथॉरिटी ऑफ सिविल एविएशन ने फिलहाल यह नहीं बताया कि हमला किस तरह का था, लेकिन माना जा रहा है कि हूती ने ये हमले किए हैं. पिछले कुछ दिनों में सऊदी अरब में हूती ने कई बड़े हमले किए हैं.

सऊदी अरब में अटैक पर भारत बोला, अस्वीकार्य

आधा सेंटीमीटर से भी छोटे छेद से दूरबीन द्वारा फुल स्पाईन की हर तरह के ऑपरेशन के लिए पूर्वी भारत का पहला केन्द्र

- कोई चीरा नही
- बेहोशी की जरूरत नही
- कम खर्च / रियायती
- खून चढ़ाने की जरूरत नही
- दो घंटे में चलना, दर्द रहित
- अगले दिन छुट्टी

किंग्सवे मेडिकल सेन्टर, पटना
Mob. : 7033000109
(पी.जी. आई. चंडीगढ़ के डाक्टरों द्वारा संचालित)
देश व दुनिया के सर्वोच्च संस्थानों में कार्य अनुभव



डा. आनंद भूषण
MBBS (मणिपाल), MS ऑर्थो, राजस्थान (गोल्ड मेडल)
SRD (पी.जी.आई., चंडीगढ़)
किंग्स कॉलेज, लंदन, UK WWL हॉस्पीटल, राइटिंगटन, इंग्लैंड
हड्डी जोड़, नस, लिगामेंट एवं गठिया रोग विशेषज्ञ
स्पाईन एंडोस्कोपी व ज्वाइंट सर्जन (दूरबीन पद्धति)

उमरा करने सऊदी गये 4000 भारतीय फंसे

नयी दिल्ली (एजेंसी)। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव की वजह से लगभग 4,000 भारतीय उमरा यात्री मक्का और मदीना में फंसे हुए हैं. इस क्षेत्र में जारी एयरस्ट्राइक के बाद एयरलाइंस का परिचालन बाधित हो गया, जिस वजह से ये स्थिति पैदा हुई है. इसे लेकर असदुद्दीन ओवैसी ने नागरिक उड्डयन महानिदेशालय से अपील की है कि वह एयरलाइंस को बड़े विमान चलाने की अनुमति दे, ताकि फंसे हुए तीर्थयात्री जल्द से जल्द स्वदेश लौट सकें. उन्होंने स्पेशल फ्लाइट के इंतजाम करने की भी मांग की. हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, इंडिगो, अकासा एयर और एयर इंडिया की उड़ानें रद्द होने की वजह से भारत के लगभग 4,000 तीर्थयात्री मक्का और मदीना में फंसे हुए हैं. डीजीसीए इन एयरलाइंस को बड़े विमान चलाने की अनुमति दे ताकि तीर्थयात्री देश लौट सकें. अगर बड़े विमानों की इजाजत नहीं दी जा सकती, तो कम से कम सरकार इन यात्रियों को सुरक्षित वापस लाने के लिए स्पेशल फ्लाइट्स का इंतजाम करे. ओवैसी ने कहा, %पिछले दो-तीन हफ्तों से ये तीर्थयात्री मदीना, जेद्दा और मक्का में फंसे हैं. ट्रैवल एजेंट इन यात्रियों को अपने हाल पर छोड़कर चले गए हैं, जिससे वे बहुत मुश्किल हालात का सामना कर रहे हैं. फिलहाल ष्ठस्ट्र इन तीनों एयरलाइंस को जेद्दा की उड़ान भरने की मंजूरी नहीं दे रहा है. ष्ठस्ट्र तुरंत इन एयरलाइंस को 321 जैसे बड़े विमानों से उड़ान भरने की इजाजत दे, ताकि फंसे हुए भारतीयों को वापस लाया जा सके. ये यात्री गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से हैं, इसलिए वे सऊदी एयरलाइंस का महंगा टिकट खरीदने में सक्षम नहीं हैं. उन्होंने विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर, नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू से गुहार लगाई है कि अगर डीजीसी उड़ानों की अनुमति नहीं देता है, तो सरकार को विशेष विमान भेजकर इन सभी तीर्थयात्रियों को जल्द से जल्द सुरक्षित भारत वापस लाना चाहिए.

देशव्यापी ड्रग्स नेटवर्क का पर्दाफाश, 7 गिरफ्तार

60 करोड़ की हेरोइन और लखनऊ में फैक्ट्री : दिल्ली पुलिस ने किया खुलासा

नयी दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस के रोहिणी जिला स्पेशल स्टाफ ने दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और झारखंड तक फैले हेरोइन सप्लाई नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 8.128 किलो हेरोइन बरामद हुई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 60 करोड़ रुपये बताई गई है। पुलिस ने हेरोइन बनाने में इस्तेमाल होने वाला कच्चा माल, 12.81 लाख रुपये नकद, तीन एसयूवी और एक रॉयल एनफील्ड मोटरसाइकिल भी जब्त की है। जांच में उत्तर प्रदेश के लखनऊ में हेरोइन बनाने की फैक्ट्री और झारखंड के नक्सल प्रभावित चतरा जिले में अफीम की खेती का भी खुलासा हुआ है।

पुलिस के मुताबिक, रोहिणी जिले में नशीले पदार्थों की सप्लाई और बिक्री पर रोक लगाने के लिए विशेष टीमें बनाई गई थीं। इसी दौरान 16 सितंबर को पुलिस को बेगमपुर इलाके में हेरोइन की सप्लाई की सूचना मिली। पुलिस टीम ने सेक्टर-32 में जाल बिछाकर सुजुकी ग्रैंड विटारा कार में पहुंचे लक्ष्मण हुड्डा को गिरफ्तार किया। उसके पास से 300 ग्राम हेरोइन और तीन लाख रुपये नकद बरामद हुए। कार भी जब्त कर ली गई।

नक्सल प्रभावित चतरा में अफीम की खेती का खुलासा

पुलिस की जांच झारखंड के चतरा जिले तक पहुंची। यह इलाका नक्सल गतिविधियों से प्रभावित रहा है। यहां से 18 अक्टूबर को प्रकाश कुमार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, वह अपनी कृषि भूमि पर अवैध रूप से अफीम की खेती करता था और पहले गिरफ्तार आरोपियों को कच्ची अफीम सप्लाई करता था। पुलिस का कहना है कि इस कार्रवाई से नशीले पदार्थों की सप्लाई करने वाले लोगों से लेकर हेरोइन बनाने और उसके लिए कच्चा माल जुटाने वालों तक के नेटवर्क का खुलासा हुआ है। आरोपियों के पास से कुल 8.128 किलो हेरोइन बरामद की गई है। इसके अलावा 12 लाख 81 हजार 700 रुपये नकद, तीन एसयूवी, एक मोटरसाइकिल और हेरोइन बनाने का सामान जब्त किया गया है। रोहिणी जिला पुलिस के मुताबिक, मामले में आगे की जांच जारी है। पुलिस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों और सप्लाई की बाकी कड़ियों का पता लगाने में जुटी है।

लक्ष्मण से पूछताछ के बाद पुलिस ने 17 सितंबर को हरियाणा के सोनीपत से अनिल उर्फ भोला को गिरफ्तार किया। वह महिंद्रा एक्सयूवी-700 में हेरोइन लेकर जा रहा था। उसके पास से 501 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस के अनुसार, अनिल पहले भी 12 आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। वह भलस्वा डेयरी थाने में दर्ज एनडीपीएस मामले में अंतरिम जमानत मिलने के बाद जेल वापस नहीं लौटा था। बाद में अदालत ने उसे भगोड़ा घोषित कर दिया था।

दोनों आरोपियों से पूछताछ और तकनीकी निगरानी के आधार पर पुलिस को हेरोइन बनाने के ठिकाने का सुराग मिला। इसके बाद 4 अक्टूबर को उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के जानकीपुरम स्थित सीता कॉलोनी में छापा मारा गया। यहां पुलिस ने बबलू को गिरफ्तार किया।

अब आपके शहर पटना में राम मनोहर लोहिया हास्पीटल, नई दिल्ली के 25 वर्षो के अनुभवी प्रख्यात हदय रोग विशेषज्ञ डॉ0 ए0 के ठाकुर उपलब्ध है।

HEALTHY HEART CLINIC
Dr. A. K. THAKUR
MD, DM, CARDIO (Gold Medalist)
PGI, RML Hospital, New Delhi
Visiting Consultant at
Asian City Hospital, Patna



ECG, ECHO, HOLTER, TMT, ABPM, ILR, ANGIOGRAPHY, ANGIOPLASTY, PACEMAKER ICD, CRTD इत्यादि की सुविधा उपलब्ध है।
आयुष्मान भारत योजना, मुख्यमंत्री राहत योजना एवं TPA / इंश्योरेंस से कैशलेस इलाज की व्यवस्था
Adult Vaccination Available
एम 2/36, श्रीकृष्णापुरी, मिश्रा फार्मा के बगल में, कृष्णा अपाटमेंट के सामने, बोरिंग रोड, पटना
7061824674, 7250257778